विकसित भारत 2047 हेतु महिलाओं के नेतृत्व में आर्थिक वृद्धि

भारत की वृद्धि दर बदल रही है और महिलाएँ कार्यबल में भागीदारी, उद्यमिता तथा वित्तीय क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के ज़रिये आर्थिक प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इसलिये महिला सशक्तीकरण **विकसित भारत 2047 की कुंजी है।**

भारत के आर्थिक परिवर्तन में अग्रणी महिलाएँ	
सूचक	**2023-24**
महिला कार्यबल भागीदारी	40.3% (2017-18 में 22%)
बेरोज़गारी की दर	3.2% (2017-18 में 5.6%)
ग्रामीण महिला रोज़गार वृद्धि	96% (2017-18 की तुलना में)
शहरी महिला रोज़गार वृद्धि	43% (2017-18 की तुलना में)

परिवर्तनकारी प्रमुख पहलें

- **जेंडर बजट:** ₹0.85 लाख करोड़ (2013-14) से 429% की वृद्धि के साथ ₹4.49 लाख करोड़ (2025-26)।
- **स्टार्टअप इंडिया:** 50% DPIIT स्टार्टअप्स में महिला निदेशक हैं।
- **पीएम स्वनिधि (SVANidhi):** लाभान्वित होने वाले स्ट्रीट वेंडरों में से 44% महिलाएँ हैं।
- **लखपति दीदियाँ:** नमो ड्रोन दीदी के माध्यम से 2 करोड़ महिलाएँ सशक्त हुई हैं।
- **महिलाओं के नेतृत्व वाली MSMEs:** इनकी संख्या **1 करोड़ (2010-11)** से लगभग दोगुनी होकर **1.92 करोड़ (2023-24)** हो गई है, जिससे महिलाओं हेतु **89 लाख नौकरियाँ** सृजित होंगी (वित्त वर्ष 21-वित्त वर्ष 23)।

महिला-नेतृत्व वाले विकास का महत्त्व

- **नेतृत्वकर्त्ता, न कि कल्याण प्राप्तकर्त्ता:** महिलाओं को निर्भरता से परिवर्तनकारी भूमिका की ओर अग्रसर करना।
- **आर्थिक विकास:** लैंगिक अंतराल को भरने से सकल घरेलू उत्पाद में 30% की वृद्धि हो सकती है।
- **लैंगिक समानता:** रूढ़िवादिता में कमी, वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2025 में भारत 131 वें स्थान पर।
- **समावेशी विकास:** महिलाओं का समावेश उत्पादकता, नवाचार और निर्णयन क्षमता में वृद्धि करता है।

महिला-नेतृत्व वाले विकास की चुनौतियाँ

1. **सामाजिक बाधाएँ:** समाज में गहराई से व्याप्त पितृसत्ता, कम उम्र में विवाह, अवैतनिक घरेलू कार्य।
2. **सुरक्षा संबंधी मुद्दे:** महिलाओं के विरुद्ध उच्च अपराध दर (प्रति घंटे 51 मामले)।
3. **शिक्षा और कौशल अंतराल:** महिला साक्षरता 65.4% (जनगणना 2011)- वैश्विक औसत से कम।
4. **शासन में अल्प प्रतिनिधित्व:** संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व वैश्विक औसत 25% से कम है।

आर्थिक विकास में महिलाओं को मुख्यधारा में शामिल करने हेतु सुझाव

1. **बाल देखभाल एवं केयर इकॉनमी:** राष्ट्रीय क्रेच ग्रिड, अनौपचारिक क्षेत्रों के लिये सवैतनिक मातृत्व अवकाश।
2. **डिजिटल समावेशन:** बुनियादी ढाँचे और ग्रामीण इंटरनेट परियोजनाओं में डिजिटल साक्षरता एवं PMGDISHA को शामिल किया जाना चाहिये।
3. **प्रतिनिधित्व एवं शासन:** बोर्डों, पंचायतों, MSMEs में लैंगिक कोटा/आरक्षण।
4. **विकेंद्रीकृत लैंगिक नियोजन:** स्थानीय शासन में लैंगिक कार्य-योजनाएँ।

5. **तकनीक एवं डिजिटल सुविधाओं से वंचित:** इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुँच।
6. **कार्यबल बाधाएँ:** असमान वेतन, उच्च कौशल वाले क्षेत्रों में सीमित प्रतिनिधित्व।

5. **कार्यस्थल सुरक्षा:** यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के अंतर्गत महिलाओं के अनुकूल बुनियादी ढाँचा तथा ICCs जैसी नीतियाँ।
6. **सांस्कृतिक एवं संरचनात्मक परिवर्तन:** हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता तथा लैंगिक समानता संबंधी शिक्षा।

स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका, ब्रिटिश शासन और सामाजिक प्रतिबंधों के विरुद्ध उनके संघर्ष को रेखांकित किया गया।

महिला नायक	स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका
रानी लक्ष्मीबाई	**प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857)** में लड़ीं, **हड़प नीति का विरोध** किया
रानी चेन्नम्मा	अपने दत्तक पुत्र को उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता देने से इनकार करने पर अंग्रेज़ों के विरुद्ध **कित्तूर विद्रोह (1824)** का नेतृत्व किया
सावित्रीबाई फुले	**भारत की पहली महिला शिक्षिका,** जिन्होंने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा दिया, बाल विवाह तथा जातिगत भेदभाव का विरोध किया और विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया
सरोजिनी नायडू	**भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष (1925);** नमक मार्च (आंदोलन), सविनय अवज्ञा तथा भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय।
सुचेता कृपलानी	**सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन** में सक्रिय, भारत की **पहली महिला मुख्यमंत्री (उत्तर प्रदेश, 1963)**
कमलादेवी चट्टोपाध्याय	AIWC में प्रमुख भूमिका, मद्रास में विधानसभा सीट के लिये चुनाव लड़ने वाली पहली महिला और गांधीजी से नमक सत्याग्रह में महिलाओं को शामिल करने का आग्रह
एनी बेसेंट	**मद्रास होम रूल लीग की शुरुआत,** 1917 में **INC की पहली महिला अध्यक्ष** बनीं।
अरुणा आसफ अली	**भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कांग्रेस का झंडा** फहराया, **'1942 की नायिका' (Heroine of 1942) की** उपाधि
रानी गाइदिन्ल्यू	हैपोउ जादोनांग की मृत्यु के वध के बाद हेराका आंदोलन का नेतृत्व, **ब्रिटिश शासन का विरोध किया** तथा नगा पहचान को बढ़ावा।
फातिमा शेख	**बालिका शिक्षा का नेतृत्व, महिला सशक्तीकरण** की नींव रखी।
मातंगिनी हाज़रा (गांधी बूढ़ी)	**भारत छोड़ो आंदोलन** के दौरान विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व, हाथों में तिरंगा थामे और "वंदे **मातरम**" का नारा लगाते हुए शहीद।
बीना दास	वर्ष 1932 में **बंगाल के गवर्नर स्टेनली जैक्सन की हत्या का प्रयास,** खादी पहनकर, प्रतिबंधित साहित्य पर लेखन करते हुए और अपने कॉलेज में क्रांतिकारी साहित्य का वितरण कर शांतिपूर्वक विरोध
प्रीतिलता वाद्देदार	**पहाड़तली यूरोपीयन क्लब पर हमले का नेतृत्व (1932);** नस्लीय भेदभाव का विरोध करने के लिये स्वयं का बलिदान।
कल्पना दत्त	**चटगाँव शस्त्रागार छापे** में शामिल (1930)
पंडिता रमाबाई	**विधवाओं के लिये शारदा सदन** की स्थापना; महिला शिक्षा और मताधिकार को प्रोत्साहित किया।
बेगम रुकैया सखावत हुसैन	**नारीवादी, मुस्लिम लड़कियों के लिये स्कूल** की स्थापना, लैंगिक समानता को बढ़ावा; **उपन्यास सुल्ताना का सपना (Sultana's Dream)।**
उषा मेहता	भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान गुप्त तरीके से कांग्रेस रेडियो का संचालन
रुक्मिणी देवी अरुंडेल	भारतीय शास्त्रीय नृत्य और कला को पुनर्जीवित एवं प्रोत्साहित किया
कस्तूरबा गांधी	महात्मा गांधी के साथ **सविनय अवज्ञा** तथा अन्य विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय और कई बार जेल भी जाना पड़ा।
भीकाजी कामा	**सप्तऋषि ध्वज,** जिसका डिज़ाइन भीकाजी कामा, विनायक सावरकर और श्यामजी वर्मा ने किया था, 22 अगस्त 1907 को जर्मनी के स्टटगार्ट में इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस में पहली बार विदेश में फहराया गया।
अरुणा रॉय (आधुनिक कार्यकर्त्ता)	पारदर्शिता के लिये सूचना का अधिकार अधिनियम लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका।

भारत-फिजी संबंध

फिजी के प्रधानमंत्री की तीन दिवसीय भारत यात्रा: भारत के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने हेतु वार्ता।

⌘ **समझौते:**

- **सैन्य सहायता:** भारत द्वारा फिजी की सेना के लिये **प्रशिक्षण, उपकरण** तथा **क्षमता निर्माण** की उपलब्धता; **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना, सैन्य चिकित्सा, साइबर सुरक्षा** और श्वेत शिपिंग सूचना के आदान-प्रदान पर **सहयोग।**
- **स्वास्थ्य सेवा:** सुवा में 100 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिये MoU- प्रशांत क्षेत्र में भारत द्वारा अनुदान सहायता कार्यक्रम के तहत शुरू की गई सबसे बड़ी परियोजना।

- अन्य समझौतों में **जन औषधि कार्यक्रम, हील इन इंडिया, ई-संजीवनी के तहत टेलीमेडिसिन** शामिल हैं।

❖ **अन्य क्षेत्र:** हिंदी-संस्कृत अध्ययन, गिरमिटिया मान्यता, खेल और विद्यार्थियों के आवागमन पर ध्यान केंद्रित करना।

❖ **संयुक्त दृष्टिकोण: भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सदस्यता, आतंकवाद-निरोध, जलवायु कार्रवाई, सतत् विकास** और **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** के लिये समर्थन।

- प्रशांत द्वीपीय देशों (PICs) में **चीन के प्रभाव** को संतुलित करने के लिये भारत की एक्ट ईस्ट नीति और *इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव (IPOI)* को सुदृढ़ करना।
- फिजी के प्रधानमंत्री की **'ओशन ऑफ पीस'** पहल की सराहना।

फिजी

- दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित **द्वीपसमूह**, यह **प्रशांत द्वीप देशों का भाग,** न्यूजीलैंड के ऑकलैंड के उत्तर में स्थित, इसमें **300 से अधिक द्वीप** शामिल जिनमें से लगभग **100 पर जनसंख्या का** निवास।
- **"विश्व के नरम प्रवालों की राजधानी" (soft coral capital of the world)**
- अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख आर्थिक चालक: गन्ना।
- एक **संसदीय लोकतंत्र जहाँ स्थानिक फिजी, भारतीय, यूरोपीय और अन्य समुदायों** की विविध आबादी निवास करती है।
- **दक्षिणी गोलार्द्ध** का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर, **श्री शिव सुब्रमण्य स्वामी मंदिर** भी यहीं स्थित है।

प्रोजेक्ट 17A: INS हिमगिरि और INS उदयगिरि

INS उदयगिरि और **INS हिमगिरि** भारत के नौसैनिक आधुनिकीकरण में नवीनतम **P17A (नीलगिरि श्रेणी) स्टील्थ फ्रिगेट हैं।**

⌘ उन्नत **हथियार प्रणालियों** और **रडार के साथ P17 (शिवालिक) श्रेणी की तुलना में उन्नत स्टील्थ** डिज़ाइन।

⌘ **P17A के तहत सात जहाज़:** INS नीलगिरि, INS उदयगिरि, INS हिमगिरि, INS तारागिरि, INS महेंद्रगिरि, INS दुनागिरि और INS विंध्यगिरि।

⌘ **प्रोजेक्ट-17 ब्रावो ((P-17B) फ्रिगेट**, जो नीलगिरि श्रेणी का अनुवर्ती है, में सात अगली पीढ़ी के फ्रिगेट शामिल होंगे।

❖ P-17B फ्रिगेट में अत्याधुनिक हथियार, संचार और नियंत्रण प्रणालियाँ शामिल होंगी, जिनमें **नीलगिरि श्रेणी की तुलना में अधिक स्वदेशी सामग्री होगी।**

गगनयान मिशन के लिये इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट

इसरो ने गगनयान मिशन के **क्रू मॉड्यूल (CM)** के लिये **पैराशूट-आधारित मंदन प्रणाली को** मान्य करने हेतु अपना **पहला इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (IADT-1)** आयोजित किया।

⌘ गगनयान मिशन का उद्देश्य वर्ष **2027 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा (400 किमी) में भेजना है।**

⌘ इससे भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा **जिनके पास मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता है (अमेरिका, रूस, चीन)।**

⌘ **मिशन के लिये चुने गए सदस्य:** ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला।

⌘ इस मिशन में **ह्यूमन-रेटेड LVM3 प्रक्षेपण वाहन, क्रू एस्केप सिस्टम** तथा **क्रू एंड सर्विस मॉड्यूल का उपयोग किया जाएगा।**

टाइफून काजिकी

टाइफून काजिकी (Kajiki) ने **चीन और वियतनाम** दोनों को प्रभावित किया है; सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर इसकी तीव्रता श्रेणी-2 के तूफान के बराबर है।